



HINDUSTANI ACADEMY
Hindi Section

Library No. 9839

Date of Receipt 23/12/27

आनन्द रघुनन्दन नाटक

اندرگھندن نام

श्रीमन्महाराजाधिराज श्री पृथ्वीधरेश विश्वनाथ सिंह स्वर्ग बासी कृत
जिसमें

संस्कृत प्राकृत देवनागरी गद्य पद्य इत्यादि अनेक भाषा-
ओं में श्री राम चरित्रान्तर्गत मुनिजन प्रियदर्शि ब्रह्मर्षि विश्वामित्र
जी महाराज की मखरका से श्री पद्मनाभ परमेश्वर दशरथ कुमार
रामचन्द्रजी महाराज के सिंहासन पर विराजमान होने पर्यन्त का
वृत्तान्त नट नाट्य कला सहित उत्तमोत्तम ललित नाटक भाषा

सात अङ्क में वर्णित है

पहली बार

ललित नट

मुंशी नवलकिशोर के छापे ग्वारे में छपा

जनवरी सन् १९०१ ई०